11khel100.qxd 10-10-2026 22:27 Page 1



लग सकता है रनों का अंबार

भारत और वेस्टइण्डीज के बल्लेबाजों के बीच होगा मुकाबला, तीसरा टी-२० आज

इंदौर (एजेन्सियां)। भारत और वेस्टइण्डीज के बीच अभी तक बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला है तथा रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच में भी यह बरकरार रहने की पूरी उम्मीद है जिससे कि गेंदबाजों पर काफी दबाव रहेगा। रांची में खेले गये दूसरे टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच में ५०१ रन बने। वेस्टइण्डीज ने भारत के २५० रन के लक्ष्य को लगभग एक ओवर शेष रहते हुए ही हासिल कर लिया था। इंदौर का होलकर स्टेडियम छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के लिए जाना जाता है, इसलिए अगर यहां फिर से रनों का अंबार देखने को मिले तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। निश्चित तौर पर मुकाबला दोनों टीम के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम ही जीत हासिल करेगी। विशेषकर क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम का पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीम ने अभी तक महत्वपूर्ण अवसरों पर कुछ कैच छोड़े हैं जो महंगे साबित हुए हैं। पिछले मैच में मयंक यादव ने शेरफेन रदरफोर्ड का आसान कैच छोड़ दिया था जो एक तरह से निर्णायक साबित हुआ। रदरफोर्ड ने इसका पूरा फायदा उठाकर कप्तान शाई होप के साथ मिलकर ५४ गेंदों में १२० रन की साझेदारी की। जब मयंक ने शार्ट फाइन लेग पर रदरफोर्ड का आसान कैच छोड़ा तब यह बल्लेबाज ३८ रन



पर खेल रहा था। उन्होंने इसके बाद ३७ गेंदों में ८४ रन बनाये जिसमें सात छक्के और उतने ही चौके शामिल रहें। भारत को होप की शानदार फार्म को लेकर भी सतर्क रहना होगा। वेस्टइण्डीज के कप्तान ने इस दौरे पर दो शतक जड़े हैं और वह फिर से बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। भारत के लिए गेंदबाजी अब भी चिंता का विषय बनी हुई है और वह इस मैच में इसका हल ढूंढ़ने की कोशिश करेगा। इस मैच में ओस की भी अहम भूमिका रहने की उम्मीद है। मयंक ने पिछले मैच में तीन विकेट लेकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन बाकी गेंदबाज रनों पर अंकुश नहीं लगा पाए और वेस्टइण्डीज ने शुरुआती झटकों के बावजूद जोरदार वापसी करके रेकार्ड लक्ष्य हासिल कर दिया। भारत के लिए इस श्रृंखला का सकारात्मक पहलू कप्तान श्रेयस अय्यर का फार्म में लौटना है। उन्होंने पहले मैच में नाबाद १०२ रन बनाये और दूसरे मैच में १८ गेंद पर ४० रन की तूफानी पारी खेली। संजू सैमसन ने ४१ गेंदों में ८२ रन बनाकर अंतिम एकादश में अपनी जगह फिर से पक्की कर दी। इसका मतलब है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को फिर से बाहर बैठना पड़ सकता है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भी रांची में दूसरे मैच के बाद कहा था कि मध्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है लेकिन शीषक्रम में नहीं। मुख्य कोच ने यह भी स्वीकार किया कि शिवम दुबे के अय्यर से पहले चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद भारत अपने टीम संयोजनों के साथ प्रयोग करना जारी रखेगा। हालांकि दुबे केवल सात रन बनाकर आउट हो गये थे। भारत अपने मुख्य गेंदबाज अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा जिन्होंने दो मैचों में ७९ रन देकर एक विकेट लिया है। भारत मयंक से भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद करेगा। होप के शानदार प्रदर्शन और रदरफोर्ड के फार्म में वापस आने से वेस्टइण्डीज की टीम खुश होगी। वेस्टइण्डीज के गेंदबाजों में रोस्टन चेज ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले मैच में २४ रन देकर चार विकेट लिए। वेस्टइण्डीज हालांकि शमर स्प्रिंगर को बदलने पर विचार कर सकता है जिन्होंने अपने चार ओवरों में ६४ रन देकर दो विकेट लिए।

भारत-श्रेयस अय्यर (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन (विकेटकीपर), नमन धीर, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, प्रिंस यादव, रवि बिश्नोई, मयंक यादव। **वेस्टइण्डीज**-शाई होप (कप्तान और विकेटकीपर), ज्वेल एंड्रयू (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, आमिर जांगू (विकेटकीपर), कामिल पूरन, रोवमैन पावेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्वेंटन सैम्पसन, रोस्टन चेज, कीमो पाल, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती।

समय-रात्रि सात बजेसे।

दिग्गजों के बीच चमक बिखेरने को तैयार युवा

रणजी ट्राफी का महासंग्राम आजसे



नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय सितारोंकी मौजूदगीसे रविवार से शुरू होने वाले रणजी ट्राफी २०२६-२७ का रोमांच बढ़ने वाला है जहां इस प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंटमें कई दिग्गज खिलाड़ी अपनी चमक बिखेरेंगे तो वहीं युवा खिलाड़ियोंके पास भी अपनी प्रतिभाका लोहा मनवानेका मौका होगा। निगाहें इसपर भी रहेंगी कि क्या पिछले सत्रमें जम्मू-कश्मीरकी खिताबी जीत की तरह इस बार भी कोई टीम अप्रत्याशित प्रदर्शन कर चैम्पियन बननेका गौरव हासिल कर पाती है। जम्मू-कश्मीरने पिछले सत्रमें आठ बारकी चैम्पियन और दिग्गज खिलाड़ियोंसे सजी कर्नाटककी टीमको हराकर सबको चौंका दिया था। टीमको हालांकि पता है कि खिताबका बचाव करना आसान नहीं होगा, क्योंकि इस बार प्रतिद्वंद्वी टीमें उसके खिलाफ बेहतर तैयारीके साथ उतरेंगी। मुम्बई, कर्नाटक, बंगाल, दिल्ली, सौराष्ट्र और विदर्भ जैसी पारंपरिक रूपसे मजबूत टीमोंके अलावा मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड और महाराष्ट्र जैसी टीमें भी खिताब जीतनेके इरादेसे उतरेंगी। फाइनल २७ फरवरी २०२७ को खेला जायेगा। इस बार टूर्नामेंटमें कई भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियोंकी मौजूदगी भी खास होगी। लोकेश राहुल (कर्नाटक), वाशिंगटन सुंदर (तमिलनाडु), रविंद्र जडेजा (सौराष्ट्र), यशस्वी जायसवाल (मुम्बई) और रजत पाटीदार (मध्य प्रदेश) जैसे दिग्गज खिलाड़ी इस सत्रमें पूरी प्रतियोगिता या उसके कुछ मुकाबलों में खेलते नजर आ सकते हैं। इन खिलाड़ियोंके लिए रणजी ट्राफीमें खेलने का मकसद सिर्फ अपनी टीमको जीत दिलाना नहीं होगा बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर भी अपनी तैयारियोंको मजबूत करना होगा। राहुल और जायसवालके पास न्यूजीलैण्डके आगामी दौरेपर दो टेस्ट मैचोंकी श्रृंखलासे पहले लाल गेंदसे अभ्यास करनेका अच्छा मौका होगा। वाशिंगटन सुंदर भारतीय टेस्ट टीममें जगह बनानेकी कोशिशमें अपनी गेंदबाजीको धार देना चाहेंगे। वेस्टइण्डीज के खिलाफ मौजूदा टी-२० श्रृंखलासे बाहर होना भी इस दिशामें संकेत माना जा रहा है। मोहम्मद शमी जैसे खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंटमें अपने प्रदर्शनसे चयनकर्ताओंका ध्यान खींचनेकी कोशिश करेंगे। शमी २०२३ के बादसे टेस्ट क्रिकेट नहीं खेले हैं और २०२५ के बाद से किसी भी प्रारूमें भारतीय टीमका हिस्सा नहीं रहे हैं। पिछले घरेलू सत्रमें उनके शानदार प्रदर्शनने राष्ट्रीय टीममें वापसीकी उम्मीदें बनाए रखी हैं। भारत को अगले सालकी शुरुआतमें आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदानपर पांच टेस्ट मैच खेलने हैं। ऐसेमें बंगालकी ओर से रणजी ट्राफीमें अच्छा प्रदर्शन शमीके लिए राष्ट्रीय टीममें वापसीका रास्ता खोल सकता है। भारतीय टीममें चोटोंकी बढ़ती समस्याको देखते हुए चयनकर्ता प्रतिभाशाली खिलाड़ियोंका दायरा बढ़ाना चाहेंगे ताकि जरूरत पड़नेपर उनके पास पर्याप्त विकल्प मौजूद रहें। युवा खिलाड़ियोंके लिए भी यह सत्र अपनी प्रतिभा साबित करनेका अहम अवसर होगा। बिहारके किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशीने अपने प्रदर्शनसे राज्य को विश्व क्रिकेटके नक्शेपर नयी पहचान दिलाई है। अब साकिबुल गनी जैसे खिलाड़ी भी बिहारकी इस नयी पहचान को आगे बढ़ाने और चयनकर्ताओंका ध्यान खींचनेके लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। झारखंड भी धीरे-धीरे प्रतिभाशाली बल्लबाजोंके केंद्रके रूप में उभर रहा है। अब टीमकी पहचान सिर्फ धोनी की विरासत या इशान किशनके प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। कुमार कुशाग्र, अनुकूल राय, शिखर मोहन, विराट सिंह और शरनदीप सिंह जैसे खिलाड़ी अपनी प्रभावशाली पारियोंसे टीमको आगे बढ़ा रहे हैं। युवा गेंदबाजोंमें तमिलनाडुके गुरजपनीत सिंह, विदर्भके हर्ष दुबे, तेलंगानाके त्रिपुराना विजय और उत्तर प्रदेशके जिशान अंसारी जैसे खिलाड़ी चयनकर्ताओंका ध्यान खींचना चाहेंगे। पूरे सत्रमें युवा प्रतिभाओं और अनुभवी खिलाड़ियोंके प्रदर्शनपर निगाहें रहेंगी। यही मुकाबले रणजी ट्राफीको दिलचस्प बनायेंगे और यह तय करेंगे कि इस बार ताज किस टीम के सिर सजेगा।

आईओए चुनाव पांच दिसंबर को

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) अपनी नयी कार्यकारी परिषद का चुनाव पांच दिसम्बर को करेगा जिसके लिये शनिवार को संजय कुमार श्रीवास्तव को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। श्रीवास्तव दिल्ली और चंडीगढ़ के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। आईओए ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम २०२५, राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल निकाय) नियमों २०२६, आईओए के संशोधित संविधान और आईओए चुनाव के उप नियमों और नियमों के तहत पूरी की जायेगी। इसने कहा कि चुनाव अधिकारी की निगरानी में अथलीट आयोग, उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी (एसओएम) और आईओए कार्यकारी परिषद के चुनाव होंगे। एसओएम चुनाव की प्रक्रिया १८ सितम्बर को शुरू हो गयी थी जिसके लिये योग्य उम्मीदवार १८ अक्तूबर तक आवेदन और जरूरी दस्तावेज जमा कर सकते हैं। इसके बाद राष्ट्रीय खेल प्रशासन ढांचे के तहत पात्रता और स्तरीय मानदंडों के अनुरूप रोस्टर तैयार किया जायेगा। चुनाव अधिकारी ने २०२६-२०३० के लिए आईओए अथलीट आयोग के चुनावों की भी सूचना दी है जिसमें तीन नवम्बर को मतदान, मतगणना और नतीजों की घोषणा तय है। आईओए ने कहा योग्य एनएसएफ सदस्य ११ अक्तूबर २०२६ को दोपहर दो बजे तक अपने दो खिलाड़ी प्रतिनिधियों को अथलीट आयोग के लिये नामांकित कर सकते हैं। आयोग में पांच पुरुष और पांच महिला सदस्य होंगे।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम किसी काम का नहीं-रहाणे

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने आईपीएलके विवादित 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना की है। रहाणेने इस नियमको लीगसे हटानेकी वकालत करते हुए कहा कि इस नियम से भारतीय क्रिकेटमें आलराउंडर्सका विकास रुक रहा है और यह किसी कामका नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रायल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने कहा मुझे लगता है कि इसे (इम्पैक्ट प्लेयर नियम) हटा दिया जाना चाहिए। मुझे याद है कि पिछले साल आईपीएल कप्तानोंकी बैठकसे पहले ज्यादातर कप्तानोंने कहा था कि उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियम या गाइडलाइंस २०२७ तक लागू हैं। इसलिए हमें नहीं पता कि वे इसे इस साल हटायेंगे या इस सालके बाद होने वाले बड़े आक्शनमें हटायेंगे। रहाणे ने कहा यह नियम भारतीय क्रिकेटमें आलराउंडर्स के विकासमें भी बाधा डाल रहा है क्योंकि फ्रेंचाइजी बल्लेबाजकी जगह गेंदबाज और गेंदबाजकी जगह बल्लेबाजको लाकर बल्ले या गेंदसे बेहतर नतीजा पाने की कोशिश करती हैं। भारतीय टीममें हार्दिक पंड्याकी कमीके कारण टीम को अक्सर उनके विकल्पकी तलाश करनी पड़ती है। हालांकि, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी सामने आए हैं, लेकिन वे अभी भी हार्दिक की काबिलियत के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसके अलावा भविष्यके लिए बहुत ज्यादा आलराउंडर्स तैयार होते नहीं दिख रहे हैं खासकर तेज गेंदबाजी आलराउंडर्स जो अब भारतीय क्रिकेटमें बहुत कम देखनेको मिलते हैं।

बल्ले और गेंद के बीच संतुलन जरुरी

-गौतम गंभीर

रांची (एजेन्सियां)। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आठ दिन में दूसरी बार सपाट पिचों पर सवाल उठाया है। शुक्रवार को टीम इंडिया वेस्टइण्डीज के खिलाफ २५० रन बनाने के बावजूद दूसरा टी-२० हार गयी। इस मैच में ५०० से ज्यादा रन बने। रांची में मैच के बाद गंभीर ने कहा सपाट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है। उन्होंने मयंक यादव को अपनी रफ्तार पर भरोसा रखने की सलाह भी दी। इससे पहले तीन अक्तूबर को गंभीर ने कहा था यह क्रिकेट नहीं था सिर्फ बल्लेबाजी थी। गुवाहाटी में वेस्टइण्डीज के खिलाफ दूसरे एकदिनी में भारत ने ४०६ रन का लक्ष्य हासिल किया था। रांची में भारत ने पांच विकेट पर २४९ रन बनाये थे। इसके बावजूद वेस्टइण्डीज ने कप्तान शाई होप के नाबाद शतक और शेरफेन रदरफोर्ड के ८४ रन की मदद से नौ गेंद बाकी रहते छह विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत से पांच मैचों की श्रृंखला १-१ से बराबर हो गयी। गंभीर ने कहा कि सभी चौके-छक्के देखना चाहते हैं लेकिन गेंद और बल्ले के बीच बराबरी भी जरूरी है। गंभीर ने कहा कि गेंदबाज भी हमारे ही हैं उनके करियर भी दांव पर लगे हैं। वे भी मेहनत करके इस ड्रेसिंग रूम तक पहुंचे हैं। गंभीर ने कहा कि भारत विश्व चैम्पियन टीम है और लगातार सुधार करना चाहती है। सपाट पिच और ओस में गेंदबाजी करना मुश्किल था लेकिन टीम को बड़े स्कोर का बचाव करने का तरीका खोजना होगा। पहले ओवर में दो



विकेट और पावरप्ले में तीन विकेट लेने के बावजूद भारत २५० रन का लक्ष्य नहीं बचा सका। गंभीर ने वेस्टइण्डीज की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि टीम जीत की हकदार थी। लखनऊ में पिछले मैच में महंगे साबित हुए मयंक यादव ने रांची में पावरप्ले के दौरान तीन विकेट लेकर वापसी की। उनके प्रदर्शन पर गंभीर ने कहा वह तेज गेंदबाज हैं और उन्हें तेज गेंदबाजी करनी चाहिए। वह स्लोअर गेंदबाज नहीं हैं। अगर आप १५० किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं तो उसी रफ्तार से गेंद डालिए। तेज गेंदबाज होने के नाते तेज गेंदबाजी करना आपकी जिम्मेदारी है। मयंक ने यही किया और इसलिए उन्हें सफलता मिली। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने हार के बाद कहा कि ओस के कारण गेंदबाजों के लिए २४९ रन का स्कोर बचाना मुश्किल हो गया था। श्रेयस ने कहा पिच पर गलती की गुंजाइश बहुत कम थी। लेंथ में मामूली चूक होने पर भी गेंद सीधे स्टैंड में जा रही थी। उन्होंने कहा वेस्टइण्डीज के बल्लेबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने शानदार बल्लबाजी की। युजवेंद्र चहल भी इस सपाट पिच से खुश नहीं थे। उन्होंने कहा कि ऐसी पिचें बनाना है तो गेंदबाजों की बजाय बालिंग मशीन से गेंदबाजी करानी चाहिए। चहल ने कहा ऐसे विकेट पर गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं होता। जब गेंद पुरानी हो जाती है, ओस होती है, तो गेंद बैट पर आसानी से आती है और मैदान छोटे होते जा रहे हैं। हमने आईपएल में भी ऐसा देखा है, जब १९ ओवर में २६० रन चेज हुए थे। इस मैच में भी २५० रन आसानी से १८.३ ओवर में चेज हो गये।

विल ओरूर्के भारत श्रृंखला से बाहर

आकलैंड (एजेन्सियां)। न्यूजीलैण्ड को भारत के खिलाफ होने वाली आगामी श्रृंखला से पहले एक और झटका लगा है और उसके तेज गेंदबाज विल ओरूर्के बाएं पांव की मांसपेशियों में खिंचाव और पिंडली की चोट के कारण बाहर हो गये हैं। खेल के सभी प्रारूप में खेलने वाले इस २५ वर्षीय तेज गेंदबाज ने पीठ में चोट के कारण सात महीने तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। इंगलैण्ड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन हालांकि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इसके बाद अभ्यास के दौरान उनकी पिंडली में चोट लग गयी थी। न्यूजीलैण्ड के कोच राब वाल्टर ने कहा कि ओरूर्के को भारत के खिलाफ श्रृंखलासे बाहर रखनेका फैसला खिलाड़ी और मेडिकल टीम से परामर्शके बाद लिया गया।

बोले सितारे

साप्ताहिक राशिफल- १२ से १८ अक्तूबर , २०२६

मेष - मेष राशि के जातकों के सिर पर इस सप्ताह कामकाज का ज्यादा ही बोझ बना रह सकता है। इसे पूरा करने के आपको अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करने पड़ सकते हैं। घर और बाहर काम की अधिकता के चलते आपको शारीरिक एवं मानसिक थकान हो सकती है। ऐसे में इस दौरान अपनी दिनचर्या और खानपान पर विशेष ध्यान दें अन्यथा आपकी सेहत प्रभावित हो सकती है। हालांकि सप्ताह की शुरुआत में आपको अपने इष्टमित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा। इस दौरान किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद भी आपके लिए राहत का काम करेगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों को मिलाकर चलने की जरूरत रहेगी अन्यथा लोगों के साथ तकरार हो सकती है, जिसके चलते आपको बेवजह का तनाव झेलना पड़ सकता है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को इस दौरान लेन-देन करते समय खूब सावधानी बरतने की जरूरत रहेगी। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को परीक्षा प्रतियोगिता में मनचाही सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। प्रेम संबंध को प्रगाढ़ बनाना चाहते हैं तो इस सप्ताह अपने लव पार्टनर की भावनाओं की अनदेखी करने की भूल बिल्कुल न करें। जीवनसाथी की सेहत चिंता का विषय बन सकती है।

उपाय- प्रतिदिन हनुमत उपासना में बजरंग बाण का पाठ करें।

तुला - तुला राशि को इस सप्ताह न सिर्फ अपने कामकाज में बल्कि निजी जीवन में कोई बड़ी भूल करने से बचना होगा, अन्यथा उन्हें उसके लिए बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार की बड़ी गलती को करने से बचने के लिए अपने काम को किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने से बचें। उसमें बिल्कुल भी लापरवाही न करें, अन्यथा आपको अपने बॉस के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को इस दौरान किसी योजना में धन निवेश करते समय खूब सावधानी बरतनी चाहिए, ऐसा करने से पहले अपने शुभचिंतकों की सलाह जरूर लेनी चाहिए। इस सप्ताह तुला राशि के लोगों के पास पैसा तेजी से आयेगा लेकिन उसी गति के साथ खर्च भी हो जायेगा। युवा लोगों का इस सप्ताह अधिकांश समय इष्ट-मित्रों के साथ मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। वहीं महिलाएं अपने जीवन की अच्छी चीजों व सामाजिकता का लुत्फ उठाती हुई नजर आएंगी तो वहीं बुजुर्ग व्यक्ति अपने आपको किसी न किसी कार्य में खुद को व्यस्त रखेंगे। कामकाजी महिलाओं को सप्ताह के अंत में कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है, जिससे उनका कार्यक्षेत्र और घर-परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। प्रेम संबंध में कुछेक अड़चनें आएंगी।

उपाय- प्रतिदिन देवी दुर्गा की लाल पुष्प चढ़ाकर पूजा और उनकी चालीसा का पाठ करें।

वृष - वृषभ राशि के जातकों इस सप्ताह अभिमान और अपमान दो शब्दों से खुद को बचाए रखना होगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की बहुत जरूरत रहेगी। इस दौरान आपकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ेगी। ऐसे में यदि आपको इस दौरान जोश में आकर होश खोने से खुद को बचा लेते हैं तो आपको अपने कार्य विशेष में मनचाही सफलता मिल सकती है। सप्ताह की शुरुआत में करियर-कारोबार से जुड़ी यात्राएं सुखद एवं मनचाहा फल प्रदान करने वाली होगी। हालांकि इस दौरान आपको अपने कामकाज के साथ घर-परिवार पर भी ध्यान देना होगा, अन्यथा वैवाहिक जीवन प्रभावित हो सकता है। इस दौरान जमीन-जायदाद के सौदे या फिर इससे जुड़े विवाद का समाधान करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह लेना न भूलें। यदि आप इस दौरान तनावमुक्त व शान्ति के साथ कार्य करते हैं तो आपको अपने काम में विशेष उपलब्धि मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत तलाशने होंगे। प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं और कोई भी निर्णय भावनाओं में बहकर लेने से बचें।

उपाय- प्रतिदिन माता लक्ष्मी की साधना और श्रीसूक्त का पाठ करें।

वृश्चिक - वृश्चिक राशि के जातकों को इस सप्ताह जीवन का कोई भी कदम बेहद सावधानी के साथ आगे बढ़ाना होगा। सोचे हुए कार्य में आपको मनचाही सफलता नहीं मिल पाएगी और आपको बेवजह की परेशानियां झेलना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में कार्यक्षेत्र पर कामकाज का ज्यादा बोझ बना रहेगा, जिसे पूरा करने पर आपको शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। इस दौरान कार्यक्षेत्र से जुड़ी अन्य दिक्कतें आपकी मानसिक परेशानियों को बढ़ाने वाली हो सकती हैं। इसका नकारात्मक असर आपके बात और व्यवहार पर देखने को मिल सकता है। तमाम कोशिशों के बावजूद आप खुद को व्यावहारिक तौर पर संयमित नहीं रख पायेंगे। इस दौरान आपको किसी भी सूरत में अपने इष्ट-मित्रों और परिजनों को नाराज न करें क्योंकि वही आपकी असली ताकत हैं। व्यवसाय से जुड़े लोगों को बाजार में अपनी साख को बनाए रखने के लिए ज्यादा परिश्रम और प्रयास करने पड़ेंगे। प्रेम संबंध में किसी चीज को लेकर जल्दबाजी करना उचित नहीं रहेगा। प्रेम संबंध को प्रगाढ़ बनाने के लिए लव पार्टनर की मजबूरियों और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास करें।

उपाय- प्रतिदिन हनुमत साधना और श्री सुंदरकांड का पाठ करें।

मिथुन - मिथुन राशि के जातक यदि इस सप्ताह अपने लक्ष्य की दिशा सही तरीके से प्रयास करते हैं तो उन्हें अपेक्षित सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में अपने आपको बेहतर साबित करने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करना होगा। नौकरीपेशा लोगों को अपने अधीनस्थ और सीनियर दोनों को मिलाकर चलना बेहतर रहेगा। इस दौरान अपने गुस्से पर काबू रखें और खुद को दूसरों को सामने बेहतर बताने की आदत से बचें। घर-परिवार में भाई या बहन के साथ किसी बात को लेकर तकरार हो सकती है। किसी भी मुद्दे को सुलझाने के लिए विवाद की बजाय संवाद का सहारा लें। सप्ताह के पूर्वार्ध की बजाय उत्तरार्ध जयादा बेहतर रहेगा। इस दौरान आप किसी नए प्रोजेक्ट पर जुड़कर काम कर सकते हैं। सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों को खरीदने पर जेब से ज्यादा पैसा खर्च हो सकता है। महिलाओं की आभूषण व साज-सज्जा की वस्तुओं में दिलचस्पी बढ़ेगी। हालांकि आपको इस दौरान पैसे खर्च करते समय अपनी जेब का पूरा ध्यान रखने की जरूरत रहेगी अन्यथा भविष्य में आपको उधार लेने की नौबत तक आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से समय शुभ है। कारोबार में लाभ होगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। लव पार्टनर के साथ नजदीकी बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा। पेट संबंधी पीड़ा झेलनी पड़ सकती है।

उपाय- प्रतिदिन गणपति की दूर्वा चढ़ाकर उनकी चालीसा का पाठ करें।

धनु - धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह पूर्वार्ध में निजी जीवन से जुड़ी कुछेक समस्याओं को लिए रहने वाला है, जिसके चलते आपका मन थोड़ा उदास और परेशान रह सकता है। करियर-कारोबार की दृष्टि से पूरे सप्ताह आपका गुडलक बढ़िया से काम करता दिखाई देगा। ऐसे में आपको इस सप्ताह आपको अपने घर-परिवार में सुख-शांति को बनाए रखने के लिए परिजनों की बातों और उनकी परेशानियों को समझने का प्रयास करना चाहिए। समस्याओं का समाधान कूल रहते हुए आपसी सलाह-विमर्श के जरिए निकालना चाहिए। सप्ताह के मध्य में करियर-कारोबार के लिए की जाने वाली यात्राएं आपके जीवन में बड़ बदलाव लेकर आएंगी। इस दौरान आपकी मुलाकात किसी प्रभावी व्यक्ति से हो सकती है जिसकी मदद से आपको अपने करियर-कारोबार को आगे ले जाने में काफी मदद मिलेगी। यदि आप लंबे समय से अपने व्यापार को विस्तार देने की सोच रहे थे तो आपकी यह कामना इस सप्ताह पूरी होती हुई नजर आ सकती है। प्रेम संबंध की दृष्टि से यह सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल है। आपका विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। पहले से चले आ रहे प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाने के लिए आपको अपने जीवनसाथी के प्रति ईमानदार होना पड़ेगा और परिवार से जुड़ी जरूरतों और लाइफ पार्टनर की भावनाओं की उपेक्षा करने से बचना होगा।

उपाय- प्रतिदिन सूर्य को जल दें और श्री विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

कर्क - कर्क राशि के जातकों को सप्ताह किसी भी काम को बेहद सावधानी और समझदारी के साथ करने की जरूरत रहेगी अन्यथा उन्हें लेने के देने पड़ सकते हैं। इस सप्ताह आपको उन लोगों से बेहद सावधान रहने की जरूरत रहेगी जो अक्सर आपका काम बिगाड़ने में लगे रहते हैं। साथ ही साथ आपको उन लोगों से भी उचित दूरी बनाई रखनी होगी जो आपके जरिए अपने काम को सिद्ध करने की जुगत लगाते रहते हैं। शेयर बाजार, सट्टा आदि में धन लगाने से बचें और किसी भी जोखिम भरी योजना या व्यवसाय में धन लगाने की भूल बिल्कुल न करें, अन्यथा फायदे की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। सप्ताह के मध्य में संतान से जुड़ी कोई चिंता आपकी परेशानी का बड़ा कारण बन सकती है। इस दौरान आपको अचानक से लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा थकान भरी और अपेक्षा से कम फल देने वाली साबित होगी। कामकाजी महिलाओं को सप्ताह के उत्तरार्ध में घर और कायक्षेत्र के बीच सामंजस्य बनाने में मुश्किलें आ सकती हैं। प्रेम संबंध की दृष्टि से यह सप्ताह सामान्य रहने वाला है। लव पार्टनर के साथ समय बिताने के अवसर मिलेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय- प्रतिदिन किसी शिवालय में जाकर या फिर अपने घर में शिवलिंग को जल दें और शिव महिम्न स्तोत्र का पाठ करें।

मकर - मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कुछ राहत भरा रह सकता है। बीते कुछ समय से चली आ रही परेशानियों का इस सप्ताह बहुत हद तक समाधान मिलता नजर आएगा। यदि आपको बीते कुछ समय से कार्यक्षेत्र में उपेक्षित किया जा रहा था तो संभव है कि इस सप्ताह कोई ठीक-ठाक जिम्मेदारी मिल जाए। उसे निभाने और खुद को साबित करने के लिए आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। इस सप्ताह के मध्य में किसी महिला मित्र की मदद से आपको एक खास शख्सियत के रूप में अपनी पहचान बनाने का अवसर प्राप्त हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए इस दौरान अतिरिक्त आय के स्रोत बनेंगे लेकिन आय के मुकाबले खर्च की अधिकता बनी रहने के कारण आर्थिक तंगी बरकरार रहेगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में कामकाजी महिलाओं को अत्यधिक काम करने के कारण थोड़ा तनाव हो सकता है। इस दौरान मकर राशि के जातकों का रूख किसी व्यक्ति विशेष के प्रति नकारात्मक हो सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी या फिर घर-परिवार में किसी सगे-संबंधी के साथ टकराव हो सकता है। यदि आप खुद को इस तरह के झमेले से बचाने में कामयाब हो जाते हैं तो आपके कार्य समय पर सिद्ध होंगे। प्रेम संबंध में सावधान के साथ कदम आगे बढ़ाने की जरूरत बनी रहेगी।

उपाय- प्रतिदिन भगवान शिव की साधना और महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।

सिंह - सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह करियर-कारोबार के लिए शुभ लेकिन निजी संबंधों को लेकर थोड़ा परेशानी लिए रह सकता है। सप्ताह की शुरुआत में आपको अपने कार्यक्षेत्र में कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। प्रमोशन या इंक्रीमेंट का इंतजार खत्म हो सकता है। आपको अपेक्षा से कहीं ज्यादा बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस दौरान आपके भीतर एक अलग ऊर्जा देखने को मिलेगी। आप करियर और कारोबार में आगे बढ़ने के लिए बड़े से बड़े खतरने उठाने के लिए तैयार दिख सकते हैं। इस दौरान आपको अच्छी साझेदारियां ऊर्जान्वित करेगी। हालांकि आपको म्यूचल फंड, शेयर, या फिर किसी अन्य जगह पर पूंजी निवेश करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। यदि आप पार्टनरशिप में व्यापार कर रहे हैं तो धन के लेने-देन में पूरी सावधानी बरतें और हिसाब-किताब क्लीयर करके आगे बढ़ें। इस सप्ताह महिलाओं का अधिकांश समय पूजा-पाठ करते हुए और युवाओं का अधिकांश सम मौज-मस